भारत का राजपत्र The Gazette of India

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 334]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जून 5, 2009/ज्येष्ठ 15, 1931

No. 334]

NEW DELHI, FRIDAY, JUNE 5, 2009/JYAISTHA 15, 1931

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 5 जून, 2009

सं. 13/2009-के.उ.श. (गै.टै.)

सा.का.नि. 392(अ).— जबिक केन्द्र सरकार इस बात से संतुष्ट है कि उत्पाद शुल्क को लगाने (उत्पाद शुल्क को न लगाने समेत) यथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) (एतिशमन् पश्चात् जिसे उक्त अधिनियम से संदर्भित किया गया है), की धारा 3 के अंतर्गत लगाये जाने वाले उत्पाद शुल्क के बारे में प्रचलित रीति के अनुसार, कृषि वर्ग के जिंक सल्फेट, सामान्यतया जिसका प्रयोग पोषक तत्व के रूप में होता है और जो केन्द्रीय उत्पाद शुल्क तटकर अधिनियम, 1985 (1986 का 5) की प्रथम अनुसूची के अध्याय उपशीर्ष 2833 29 के अंतर्गत आता है, जिस पर कि उत्पाद शुल्क लगाया जाना चाहिए था लेकिन उक्त रीति के अनुसार 1 जनवरी, 2007 से लेकर 8 अक्तूबर, 2007 तक की अवधि के दौरान इस पर उत्पाद शुल्क नहीं लगाया जा रहा था।

2. अतः, अब केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 11ग के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्द्वारा निर्देश देती है कि ऐसे कृषि ग्रेड के जिंक सल्फेट जिसका सामान्य रूप से पोषक तत्व के रूप में प्रयोग होता है पर उक्त अधिनियम के अंतर्गत भुगतान योग्य सम्मूर्ण शुल्क का भुगतान सामान्यतया पोषक तत्व के रूप में प्रयोग होने वाले कृषि वर्ग के ऐसे जिंक सल्फेट के मामले में करने की जरूरत नहीं है जिन पर उक्त परम्परा के अनुसार उक्त अविध के दौरान उक्त शुल्क नहीं लगाया जा रहा था:

बशर्ते कि इस अधिसूचना का लाभ तब तक अनुत्रेय नहीं होगा जब तक कि इस अधिसूचना के लाभ के लिए दावा करने वाली इकाई लिए गए क्रेडिट को वापस नहीं कर देती है जो उसने, यदि कोई हो, उक्त माल में या उसके विनिर्माण में प्रयुक्त आगत या आगत सेवाओं के संबंध में प्राप्त किया है:

बशर्ते और भी कि केवल वही विनिर्माता इस अधिनियम की धारा 11ग की उप-धारा (2) के प्रावधानों के अंतर्गत धनवापसी प्राप्त करने का पात्र होगा जिसने कि उक्त माल पर ड्यूटी का भुगतान कर दिया है और धनवापसी भी निम्नलिखित तरीके से होगी यथा :

- (i) नकद रूप में भुगतान किये गये शुल्क की वापसी नकद रूप में होगी: और
- (ii) सेनवैट क्रेडिट रूल्स, 2004 के अंतर्गत ठपलब्ध सेनवैट क्रेडिट का उपयोग करते हुए भुगतान किये गये शुल्क की वापसी उक्त क्रेडिट लेकर की जायेगी।

[फा. सं. 106/03/2007-सी एक्स-3]

आशिमा बंसल, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 5th June, 2009

No. 13/2009-Central Excise (N.T.)

G.S.R. 392(E).—Whereas the Central Government is satisfied that according to a practice that was generally prevalent regarding levy of duties of excise (including non-levy thereof) namely the duties of excise

leviable under Section 3 of the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944) (hereinafter referred to as the said Act), on Agricultural grade Zinc Sulphate ordinarily used as micronutrient falling under Chapter sub-heading 2833 29 of the First Schedule to the Central Excise Traiff Act, 1985 (5 of 1986) which was liable to duties of excise but according to the said practice, duties of excise were not being levied during the period commencing on the 1st day of January, 2007 and ending with 8th day of October, 2007.

2. Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 11C of the said Act, the Central Government hereby directs that the whole of the duties of excise payable under the said Act, on such Agricultural grade Zinc Sulphate ordinarily used as micronutrient but for the said practice, shall not be required to be paid in respect of such Agricultural grade Zinc Sulphate ordinarily used as micronutrient on which the said duties of excise were not being levied during the period aforesaid, in accordance with the said practice:

Provided that the benefit under this notification shall not be admissible, unless the unit claiming the benefit of this notification reverses the credit taken; if any, in respect of inputs or input services used in or in relation to the manufacture of said goods:

Provided further that only a manufacturer who has paid the duty on the said goods shall be eligible to claim refund under the provisions of sub-section (2) of Section 11C of the Act and the refund shall be paid in the following manner, namely:—

- (i) the amount of duty paid in cash shall be refunded in cash; and
- (ii) the amount of duty paid by utilization of cenvat credit available under the Cenvat Credit Rules, 2004 shall be refunded by way of taking the said credit.

[F. No. 106/03/2007-CX-3] ASHIMA BANSAL, Under Secy.